

प्रेस विज्ञप्ति

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में विश्व खाद्य दिवस का आयोजन

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर 2026: भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली ने 16 अक्टूबर 2026 को कृषि इंजीनियरिंग विभाग के सभागार में विश्व खाद्य दिवस मनाया। इस अवसर पर सतत कृषि-खाद्य प्रणालियों, कृषि नवाचारों, फसल विविधीकरण और जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर, मेरठ जिलों से और हरियाणा के बहादुरगढ़ जिले से आए कुल 158 प्रतिभागी किसानों ने भाग लिया, जिनमें 90 महिलाएं एवं 68 पुरुष शामिल थे।

आईसीएआर-आईएआरआई के निदेशक डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव ने मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित किया। उन्होंने भारत की कृषि और खाद्य प्रणालियों को मजबूत करने में किसानों की अपरिहार्य भूमिका पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों को उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों का पालन करना चाहिए, मूल्यवर्धन करना चाहिए, खाद्य अपशिष्ट से बचना चाहिए, रसोई बागवानी करनी चाहिए, दलहन और तिलहन उत्पादन के माध्यम से फसल विविधीकरण अपनाना चाहिए, मृदा स्वास्थ्य और जल उपयोग दक्षता में सुधार करना चाहिए, वृक्षारोपण करना चाहिए और विशेषज्ञों से परामर्श लेकर जल संरक्षण तकनीकों का पालन करना चाहिए। उन्होंने किसानों को संस्थान में समय-समय पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए भी प्रेरित किया ताकि वे विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किए गए ज्ञान से लाभान्वित हो सकें।

कार्यक्रम का शुभारंभ अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार लाल के स्वागत भाषण से हुआ। संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. सी. विश्वनाथन ने विश्व खाद्य दिवस के महत्व और खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के लिए किसानों और वैज्ञानिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सतत फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के महत्व को भी रेखांकित किया।

इसके बाद एक तकनीकी सत्र आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को जल उपयोग दक्षता, बागवानी फसलों, पौध संरक्षण, एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल, बीज उत्पादन और उच्च उपज वाली किस्मों के उपयोग से संबंधित प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई, ताकि कृषि उत्पादकता, स्थिरता और किसानों की आजीविका को मजबूत करने के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आयोजन के एक भाग के रूप में, किसानों ने आईसीएआर-आईएआरआई में संरक्षित खेती प्रौद्योगिकी केंद्र (सीपीसीटी), एकीकृत कृषि प्रणाली सुविधाओं और चावल, बाजरा और मक्का के खेतों सहित अनुसंधान और प्रदर्शन सुविधाओं का दौरा किया। इन दौरों ने प्रतिभागियों को प्रासंगिक कृषि प्रौद्योगिकियों, अनुसंधान पहलों और क्षेत्र-स्तरीय प्रदर्शनों से परिचित होने का अवसर प्रदान किया।

विश्व खाद्य दिवस के आयोजन ने कृषि अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने, टिकाऊ कृषि-खाद्य प्रणालियों को बढ़ावा देने, तथा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा और किसानों की आजीविका में सुधार जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों में योगदान देने के प्रति ICAR-IARI की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

ICAR-IARI Celebrates World Food Day 2026

New Delhi, 16 October 2026: ICAR-Indian Agricultural Research Institute (ICAR-IARI), New Delhi, celebrated World Food Day on 16 October 2026 at the Auditorium of the Division of Agricultural Engineering, highlighting the importance of sustainable agri-food systems, agricultural innovations, crop diversification and water conservation. Around 158 farmers from Meerut and Bulandshahr districts of Uttar Pradesh and Bahadurgarh District of Haryana, comprising 90 female farmers and 58 male farmers, participated in the programme.

Dr Ch. Srinivasa Rao, Director, ICAR-IARI, addressed the gathering as the Chief Guest. He highlighted the indispensable role of farmers in strengthening India's agricultural and food

systems. He emphasised that farmers need to follow improved agricultural technologies, undertake value addition, avoid food wastage, practice kitchen gardening, adopt crop diversification through legume and oilseed production, improve soil health and water-use efficiency, plant trees and follow water conservation techniques through consultation with the experts. He also motivated farmers to join the training program being held regularly for the farmers at the Institute from time to time to get benefitted from the knowledge provided by the experts.

The programme commenced with a welcome address by Dr Sandeep Kumar Lal, Nodal Officer, Scheduled Caste Sub Plan (SCSP) scheme. Dr C. Viswanathan, Joint Director (Research), shared remarks on the significance of World Food Day and the role of farmers and scientists for becoming self-sufficient in food production. He also highlighted the importance of agricultural research, education, and extension in ensuring sustainable crop production and ensuring food security.

A technical session was followed, which apprised the farmers about technologies related to water-use efficiency, horticultural crops, plant protection, integrated farming system models, seed production, and use of high-yielding varieties for ensuring food and nutritional security to strengthen agricultural productivity, sustainability and farmers' livelihoods.

As part of the celebration, the farmers visited research and demonstration facilities that included Centre for Protected Cultivation Technology (CPCT), integrated farming system facilities and rice, millet and maize farms at ICAR-IARI. These visits provided an opportunity to familiarise participants with relevant agricultural technologies, research initiatives and field-level demonstrations.

The World Food Day celebration endorsed ICAR-IARI's commitment to advancing agricultural research and innovation, promoting sustainable agri-food systems, and contributing to national goals of food and nutritional security and improved farmers' livelihoods.



